मजबूत राष्ट्रीय वृद्धि के बावजूद पिछड़ रहा पूर्वी भारत : संजीव सान्याल

- कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के कार्यक्रम में बोले पीएम की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य

कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्य व अन्य.

कोलकाता. प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने मंगलवार को कुछ राज्यों में वृद्धि संबंधी असमानताओं को रेखांकित किया और कहा कि औद्योगिक केंद्र के रूप में कोलकाता की दीर्घकालिक गिरावट और बुनियादी ढांचे के धीमे विकास के कारण पूर्वी भारत लगातार पिछड़ रहा है. संदीप सान्याल ने कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि आर्थिक सुधारों का लाभ क्षेत्रों में असमान रहा है. चैंबर द्वारा जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया कि1991 के सुधारों के बाद दक्षिणी राज्यों ने गति पकड़ी और आज भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 30 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया है, जबकि पूर्वी और उत्तरी भारत के कुछ हिस्सों ने गति नहीं पकड़ी है. मजबूत शहरी इंजन की आवश्यकता पर बल देते हुए सान्याल ने बेंगलुरु, हैदराबाद और मुंबई-पुणे गलियारे को सफल उदाहरण बताते हुए कहा कि क्षेत्रीय विकास बड़ी सुविधाओं वाले शहरों के निर्माण पर निर्भर करता है, जो निवेश और उत्पादकता बढ़ा सकते हैं. इस मौके पर कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अनंत सहारिया ने स्वागत भाषण रखा, जबकि उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया.

वहीं, बजट पर केयर रेटिंग्स के केयर रेटिंग्स के एमडी और ग्रुप सीइओ मेहुल पंड्या ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 ऐसे समय में आया है जब भारत की अर्थव्यवस्था समेकन और योजना के दौर से गुजर रही है. इस साल जो बात सबसे अलग है, वह न केवल घोषणाओं का पैमाना है, बल्कि उन्हें निर्देशित करने वाला स्थिर दृष्टिकोण भी है. उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 एक ऐसे समय में एक स्थिर नीतिगत दृष्टिकोण को दर्शाता है, जब भारत की अर्थव्यवस्था रिकवरी-संचालित विकास से समेकन और मध्यम अवधि की योजना के चरण में संक्रमण कर रही है. केयर रेटिंग्स के मुख्य रेटिंग अधिकारी सचिन गुप्ता ने कहा कि कुल मिलाकर, बजट सभी क्षेत्रों में एक स्थिर क्रेडिट माहौल को मजबूत करता है.